राजकीय महाविद्यालय झंडूत्ता

जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

वार्षिक-प्रतिवेदन

सत्र 2024–25

हमारे आज के समारोह के मुख्य अतिथि श्री विवेक कुमार जी माननीय पूर्वाध्यक्ष, कृषि उत्पाद विपणन समिति बिलासपुर का मैं इस वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में पधारने पर हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। यहाँ पर उपस्थित अन्य अतिथि गणमान्यों का भी इस वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत करता हूँ। आज हमारा परम सौभाग्य है कि झंडूत्ता विधानसभा क्षेत्र के जनप्रिय राजनेता आज हमारे बीच में उपस्थित हैं। आपने जनसेवा का जो मार्ग चुना है, वह वास्तव में आपकी समाज के प्रति बहुत कुछ करने की उत्कृष्ट प्रवृत्ति को दर्शाता है। आपकी कार्यशैली एवं व्यवहार कुशलता से सभी लोग चिर-परिचित हैं। हमारे विद्यार्थियों का सौभाग्य है कि वे आज ऐसे प्रतिष्ठित एवं विशिष्ट महानुभाव के कर-कमलों द्वारा पुरस्कृत होंगे जो स्वयं लग्न, कर्मठता, साहस और सफलता के प्रतीक हैं।

महोदय,

मैं आपकी अनुमति से सत्र 2024–25 की विभिन्न गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत कर रहा हूँ।

महाविद्यालय की स्थापना

इस महाविद्यालय की स्थापना सन् 2007 में हुई थी। 9 वर्ष स्थानीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के परिसर में बिताने के उपरांत जुलाई 2016 में महाविद्यालय को अपना भवन मिला। वर्तमान में इस महाविद्यालय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय की स्नातक स्तर की कक्षाएं चल रही हैं।

कर्मचारी वर्ग

सरकार द्वारा तीनों संकाय के लिए प्राध्यापकों के कुल 19 पद स्वीकृत किए गए हैं। जिसमें कि कला संकाय में 11, वाणिज्य में 02 एवं विज्ञान संकाय में 05 प्राध्यापक कार्यरत हैं। महाविद्यालय में प्राध्यापकों के 02 पद रिक्त हैं। कार्यालय स्टाफ के कुल 6 पद स्वीकृत हैं जिनमें से 2 पद रिक्त हैं। पुस्तकालय में 4 स्वीकृत पदों में 03 पद रिक्त हैं। प्रयोगशाला परिचरों के लिए 5 पदों में से 4 पद भरे हुए हैं। महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय की कक्षाएं 2016 और विज्ञान संकाय की 2017 से प्रारंभ हुई । अभी तक विज्ञान संकाय के अंतर्गत वनस्पति विज्ञान में कोई भी पद स्वीकृत नहीं है।

कार्यभार ग्रहण करने तथा सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का विवरण

महोदय इस वर्ष डॉ. संजय कुमार ने राजकीय महाविद्यालय झण्डूत्ता में प्राचार्य पद का कार्यभार ग्रहण किया, साथ ही महाविद्यालय में तीन पद रिक्त हुए हैं, जिनमें महाविद्यालय की अधीक्षिका (ग्रेड-1) श्रीमती शशि किरण भारद्वाज एवं पुस्तकालयाध्यक्षा श्रीमती पूनम बाला सेवानिवृत्त हुए हैं, और महाविद्यालय के अधीक्षक (ग्रेड-2) का स्थानांतरण हुआ है।

छात्रों का प्रवेश

इस सत्र में कुल 298 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जिनमें से बी.ए. प्रथम वर्ष में 70, द्वितीय वर्ष में 76, तृतीय वर्ष में 69 तथा बी.कॉम प्रथम वर्ष में 17, द्वितीय वर्ष में 12, तृतीय वर्ष में 13 एवं बी.एस.सी. प्रथम वर्ष में 17, द्वितीय वर्ष में 11 तथा तृतीय वर्ष में 13 विद्यार्थी हैं, इनमें से 75 छात्र व 223 छात्राएं हैं।

कला संकाय

कक्षा	छात्र	छात्राएं	कुल योग
बी.ए. प्रथम वर्ष	16	54	70
बी.ए. द्वितीय वर्ष	14	62	76
बी.ए. तृतीय वर्ष	07	62	69

वाणिज्य संकाय

कक्षा	छात्र	छात्राएं	कुल योग
बी.कॉम प्रथम वर्ष	10	07	17
बी.कॉम द्वितीय वर्ष	07	05	12
बी.कॉम तृतीय वर्ष	05	08	13

विज्ञान संकाय

कक्षा	छात्र	छात्राएं	कुल योग
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	05	12	17
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	05	06	11
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष	06	07	13

परीक्षा परिणाम

वार्षिक परीक्षा प्रणाली के अंतर्गत 2024 में तृतीय वर्ष में 121 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें 115 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। महाविद्यालय का कला संकाय में उत्तीर्ण प्रतिशत 93%, वाणिज्य में 100% और विज्ञान संकाय का उत्तीर्ण प्रतिशत 90% रहा।

सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियाँ:-

सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए अति आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की वॉलीबॉल (छात्रा) टीम ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लिया जो राजकीय महाविद्यालय भोरंज में आयोजित की गयी थी, साथ ही महाविद्यालय (छात्रा) टीम ने राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय 'चेस' प्रतियोगिता में भाग लिया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की छात्र वॉलीबॉल टीम ने राजकीय महाविद्यालय सीमा में आयोजित अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता और कबड्डी टीम ने राजकीय महाविद्यालय देहरी में आयोजित अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लिया।

केन्द्रीय विद्यार्थी परिषद् (CSCA)

लिंगदोह समिति की सिफारिशों तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के आधार पर प्रति वर्ष महाविद्यालय में केन्द्रीय विद्यार्थी परिषद् का गठन मैरिट के आधार पर होता रहा है। इस वर्ष भी केन्द्रीय छात्र परिषद का गठन किया गया है जिसमें भव्या बी.एस.सी. तृतीय वर्ष को अध्यक्षा, साक्षी बी.ए. तृतीय वर्ष को उपाध्यक्षा, अंकिता कुमारी बी.कॉम प्रथम वर्ष को सचिव, तथा तन्वी शर्मा बी.एस.सी. प्रथम वर्ष को महासचिव पद पर मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त 20 अन्य छात्रों को मैरिट के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि, क्लब प्रतिनिधि, NSS प्रतिनिधि एवं सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

गृह-परीक्षा

महाविद्यालय में सत्र 2024-25 में प्रो. राजेंदर कुमार के समन्वय में आयोजित गृह-परीक्षा में विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। जो विद्यार्थी किसी कारणवश उक्त परीक्षा नहीं दे पाए उन्हें पुनः एक विशेष अवसर प्रदान किया गया ताकि वार्षिक परीक्षा मैं बैठने की उनकी पात्रता सुनिश्चित की जा सके। समग्र मूल्यांकन हेतु मौखिकी परीक्षा एवं प्रदत्त कार्य सभी विभागों द्वारा सम्पन्न करवाए गए।

आचार्यों की उपलब्धियाँ

वर्ष 2024-25 में प्राध्यापकों की उपलब्धियाँ इस प्रकार से हैं:-

- डॉ. संजय कुमार, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय झण्डूत्ता, जिला बिलासपुर, ने टी.जे.सी.एम राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय सुजानपुर, टिहरा, जिला हमीरपुर के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित 13 फरवरी से 19 फरवरी 2025 तक सप्तदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 17 फरवरी 2025 को "सतत् विकास और पर्यावरण संरक्षण: चुनौतियाँ एवं अवसर" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया। जिसके लिए आपको प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।
- प्रो. सतीश कुमार, सह-आचार्य भौतिकी विभाग ने राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर टिहरा, राजकीय महाविद्यालय ऊना, राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर, राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट तथा राजकीय महाविद्यालय भोरंज में आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किये। इसके अतिरिक्त आपने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा सात दिवसीय 'संकाय विकास कार्यक्रम' (FDP) में भाग लिया।
- प्रो. बिहारी लाल, सह-आचार्य अर्थशास्त्र विभाग ने राजकीय महाविद्यालय सिराज लम्बाथाच मण्डी में आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में तथा राजकीय महाविद्यालय भोरंज एवं राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में शोधपत्र प्रस्तुत किये। इसके अतिरिक्त आपने राजकीय महाविद्यालय ज्वाली द्वारा आयोजित एकदिवसीय वेबिनार में भाग लिया।
- प्रो. राजेंद्र कुमार, सहायक आचार्य भूगोल विभाग ने 'ठाकुर जगदेव चन्द स्मारक राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर, द्वारा आयोजित 'सतत् विकास और पर्यावरण संरक्षण' विषय पर एक सप्ताह अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रो. बलबीर चंद, सहायक आचार्य संगीत विभाग ने रांची विश्वविद्यालय झारखण्ड, राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट, राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर, राजकीय महाविद्यालय भोरंज में अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किये। इसके अतिरिक्त आपने गोकुल ग्लोबल विश्वविद्यालय सिद्धपुर गुजरात द्वारा आयोजित साप्ताहिक राष्ट्रीय 'संकाय विकास कार्यक्रम' (FDP) में भाग लिया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर जम्मू विश्वविद्यालय और साथ ही लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय में सप्त दिवसीय कार्यशाला भाग लिया। इसके साथ आपने 14 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refresher course) में भाग भाग लिया। इसके अलावा आपने विभिन्न पत्रिकाओं में कई लेख प्रकाशित किए।

- प्रो. सुरेश कुमार शर्मा, सहायक आचार्य वाणिज्य विभाग ने महाविद्यालय में जरूरतमंद विद्यार्थियों को 300 पुस्तकें वितरित की साथ ही आपने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला झण्डूत्ता में अक्तूबर माह में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान भी दिया।
- प्रो. शालिनी, सहायक आचार्या राजनीति विज्ञान विभाग ने पंचायती राज व्यवस्था के ऊपर शोधपत्र प्रकाशित किया साथ ही राजकीय महाविद्यालय भोरंज, राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में शोधपत्र प्रस्तुत किये। आपके सहयोग से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को विधानसभा सत्र में विधानसभा की कार्यवाही को देखने का अवसर भी मिला। इसके अतिरिक्त लोकसभा चुनाव के दौरान आपने (SVEEP) नोडल ऑफिसर के रूप में सेवा प्रदान की जिसमें श्रेष्ठ योगदान के लिए आपको राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रो. रेखा शर्मा, सहायक आचार्या गणित विभाग ने राजकीय महाविद्यालय आनी द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। इसके अतिरिक्त आपने राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर, राजकीय महाविद्यालय संजौली कैरियर प्वॉइंट विश्वविद्यालय हमीरपुर तथा हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में शोधपत्र प्रस्तुत किए। इसके साथ ही आपने CSSR & SRRM राजकीय महाविद्यालय कमलापुरम आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित साप्ताहिक लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया।
- प्रो. कमलेश कुमारी, सहायक आचार्या जन्तु विज्ञान विभाग ने राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर में आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी और राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किए इसके अलावा आपने तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के 'संकाय विकास कार्यक्रम' (FDP) में भाग लिया, साथ ही आपने 'बायो एन्जाइमस्' विषय पर 'ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में हिस्सा लिया।
- प्रो. रंजू, सहायक आचार्या संगीत विभाग ने राजकीय महाविद्यालय ज्वाली में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। साथ ही आपने 'बायो एन्जाइमस्' विषय पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में हिस्सा लिया।
- प्रो. अर्चना शर्मा, सहायक आचार्य हिन्दी विभाग ने राजकीय महाविद्यालय बीटन में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। साथ ही 'बायो एन्जाइमस्' विषय पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में हिस्सा लिया ।
- प्रो. पंकज शर्मा, सहायक आचार्य इतिहास विभाग, ने 'भारतीय विज्ञान इतिहास पत्रिका' में एक शोधपत्र प्रकाशित किया, साथ ही हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. प्रतीक देसवाल, सहायक आचार्य अंग्रेजी विभाग ने मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refresher course) में भाग लिया, साथ ही आपने राजकीय महाविद्यालय बीटन में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. नितेश कुमार, सहायक आचार्य रसायन विभाग ने 'हिम साईंस कांग्रेस ऐसोसिएशन तथा राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर' द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. सपना शर्मा, सहायक आचार्या रसायन विभाग ने जे.पी. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त आपने राजकीय महाविद्यालय आनी द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय राष्ट्रीय वर्चुअल कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रो. रेखा देवी, सहायक आचार्या समाजशास्त्र विभाग ने ;डड.ज्ज्ध्द्ध राजानुजम् महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक माह के गुरूदक्षता (FIP) कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अतिरिक्त आपने सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- प्रो. दीपक शर्मा, सहायक आचार्य संस्कृत विभाग ने (MM-TTC) राजानुजम् महाविद्यालय शिक्षण केन्द्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक माह के गुरूदक्षता (FIP) कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्रीमती पूजा देवी, सहायक, पुस्तकालयाध्यक्षा ने 'भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान' के सहयोग से इनफ्लिबनेट सेंटर गांधीनगर गुजरात द्वारा आयोजित "Library Automation using Soul 3.0" इस विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन :-

- 14 सितम्बर 2024 को हिन्दी राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत महाविद्यालय के 3 विद्यार्थियों ने भाषा संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में गेयटी थिएटर, शिमला, में भाग लिया।
- साथ ही इस अवसर पर महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर भाषण, निबन्ध लेखन, कविता पाठ, हिन्दी में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी आदि अनेक प्रतियोगिताएं करवाई गई।
- महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा क्लब द्वारा 'पोस्टर मेकिंग' और नारा लेखन' प्रतियोगिताओं का समय समय पर आयोजन किया गया।
- 06 नवम्बर को महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें उन्होंने अपने कौशल से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।
- 03 मार्च 2025 को महाविद्यालय के विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जिसमें विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने व्याख्यान के माध्यम से विज्ञान के महत्व को उजागर किया।

विकासात्मक गतिविधियाँ

- **विज्ञान ब्लॉक के निर्माण का पुन: आरम्भ-**महोदय यद्यपि हमारे पास संसाधनों का अभाव है फिर भी विद्यार्थियों को सुविधा देने का हमारा प्रयास निरंतर जारी है महाविद्यालय में विज्ञान भवन का कार्य वर्तमान में स्थगित है और इसे पुनः शुरू करने के लिए सरकार द्वारा 2 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है। यह महत्वपूर्ण अनुदान स्थानीय राजनेता श्री विवेक कुमार के प्रयासों से संभव हुआ है। इससे महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और विज्ञान के छात्रों के लिए एक बेहतर शैक्षणित वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी।
- **प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग-** महाविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और शोध क्षमताओं को मजबूत करने के लिए बद्दी विश्वविद्यालय और एक्सीलेंस टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ के साथ एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए। इसका उदेश्य छात्रों के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध गतिविधियों और कौशल-आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना है। महाविद्यालय ने पाँच निकटवर्ती विद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि विभिन्न तरीकों से उनका सहयोग किया जा सके। इसमें शैक्षणिक योजनाओं का विकास, करियर काउंसलिंग प्रदान करना, महिला प्रकोष्ठों (Women's Cells) का सही संचालन सुनिश्चित करना, और एक सकारात्मक कार्य संबंध स्थापित करना शामिल है। इस पहल का उदेश्य विद्यालय और महाविद्यालय के बीच सहयोग को मजबूत करना और समग्र शैक्षिक विकास को बढ़ावा देना है।
- **महाविद्यालय विस्तार के लिए भूमि परिवर्तन की प्रगति-** महाविद्यालय के विस्तार के लिए 0.63 हेक्टेयर भूमि के परिवर्तन का मामला लंबे समय से लंबित था। संबंधित अधिकारियों के साथ इसे सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया गया, और यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके पूरा होने के बाद, यह महाविद्यालय परिसर के विस्तार और विकास में योगदान देगा।

- खेल और परिसर के बुनियादी ढांचे का विकास– महाविद्यालय में खेलों को बढ़ावा देने और परिसर की सौंदर्यात्मकता बढ़ाने के लिए कुछ नए निर्माण कार्य शुरू किए जा रहे हैं। इसमें बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण और महाविद्यालय भवन के दाहिने हिस्से में टाइल बिछाने का कार्य शामिल है। ये कार्य जल्द ही शुरू होंगें जिससे छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

रेड रिबन क्लब (Red Ribbon Club)

प्रो. अर्चना के नेतृत्व में महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया। इस क्लब के तीन सदस्यों और एक नोडल ऑफिसर ने बिलासपुर क्षेत्रीय अस्पताल में एड्स पर एक दिवसीय संगोष्ठी में हिस्सा लिया। रेड रिबन क्लब बिलासपुर द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से एच. आई. वी. एड्स के प्रति जागरूक करने के लिए मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी हिमांशु ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करते हुए पांचवा स्थान प्राप्त किया तथा राज्य स्तरीय मैराथन में भी भाग लिया। वर्ष 2024–25 में रेड रिबन क्लब द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों के लिए राजकीय महाविद्यालय झण्डूत्ता को जिला स्तर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। 8 मार्च 2025 को रेड रिबन क्लब द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमें रंगोली, पोस्टर–मेकिंग, स्लोगन, भाषण प्रतियोगिताएं करवाई गई। इसके अतिरिक्त रेड रिबन क्लब ने वर्ष भर में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ : (IQAC-CELL)

महाविद्यालय में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ गठित किया गया है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. सतीश कुमार हैं। यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन एवं राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत सरकारी स्तर पर मिलने वाले वित्तीय प्रावधानों से सम्बन्धित अनिवार्य औपचारिकताओं के निर्वहन हेतु महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के प्रमाणन से सम्बन्धी आवश्यक दस्तावेज जुटाने का महत्वपूर्ण दायित्व निर्वाह इस प्रकोष्ठ द्वारा दक्षता के साथ किया गया है व महाविद्यालय को 'सी' श्रेणी की मान्यता प्राप्त है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रकोष्ठ : (UGC-CELL)

महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. सतीश कुमार हैं। यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय को केन्द्र सरकार के इस उपक्रम से सम्बद्धता एवं मान्यता प्रदान करवाने मे सक्षम रहा है। UGC द्वारा महाविद्यालय को 2f एवं 12B की सूची में सम्मिलित किया गया है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय को स्थायी रूप से सम्बद्धता प्रदान की गई

व्यवसाय मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ (CAREER COUNSELLING & GIDANCE CELL) :

विभिन्न व्यवसायों से संबंधित परामर्श एवं मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय में इस प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रोफेसर बलबीर चंद है। इस प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय में 31 अगस्त 2024 को सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. अशोक ठाकुर जी ने व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को करियर के बारे में जागरूक किया तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए उन्होंने विद्यार्थियों को स्वॉट (SWOT) सूत्र प्रदान किया। साथ ही इस प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों को छात्रवृति योजनाओं के बारे में 13 अक्तूबर 2024 को प्रो. बिहारी द्वारा व्याख्यान के माध्यम से जानकारी दी गई। अपने भविष्य के प्रति जागरूक करने के लिए दिनांक 22 नवम्बर 2024 को इस प्रकोष्ठ द्वारा बद्दी विश्वविद्यालय के सहयोग से एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

किया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में एक प्लेसमेंट अभियान आयोजित का आयोजन किया गया, जिससे छात्रों को करियर के अवसर मिले। इस प्रक्रिया में 26 छात्रों को अगले स्तर की भर्ती के लिए चुना गया, जो रोजगार और उद्योग से जुड़ाव की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रोवर और रेंजर (ROVER & RANGER) :

महाविद्यालय में रोवर एण्ड रेंजर क्लब ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। NSS के अतिरिक्त यह दूसरी सामाजिक योजना है जो विद्यार्थियों में अनेक गुणों का संचार करती है। 06 अक्तूबर–2018 को इस यूनिट की महाविद्यालय में शुरूआत हुई। इसमें 14 विद्यार्थी रोवरस और 22 विद्यार्थी रेंजर्स के रूप में पंजीकृत हैं। रोवर प्रभारी प्रो. नितेश कुमार व रेंजर प्रभारी प्रो. रेखा देवी महाविद्यालय में कार्य कर रहे है। महाविद्यालय में इस इकाई द्वारा स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष 04 रोवर एवं 06 रेंजर्स ने राज्य स्तरीय निपुण टेस्टिंग कैंप में भाग लिया जो स्टेट ट्रेनिंग सेंटर रिवाल्सर में आयोजित

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) :

इस महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कार्य कर रही है। जिसमें 78 स्वयंसेवी पंजीकृत है। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी प्रो. प्रतीक देसवाल के मार्गदर्शन में NSS की स्थानीय इकाई द्वारा सत्र 2024–25 में विभिन्न गतिविधियां करवाई गईः–

- 21 जून 2024 को राजकीय महाविद्यालय झण्डूत्ता की NSS की इकाई द्वारा योग दिवस मनाया गया जिसमें अनुशिक्षक के रूप में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. नीतेश कुमार ने स्वयं सेवियों को प्राणयाम एवं योगासनों को सिखाते हुए स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में जोड़ने पर जोर दिया।
- NSS के इकाई द्वारा बजट जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. बिहारी लाल ने विद्यार्थियों को बजट से सम्बन्धित जानकारी दी ।
- 'एक पेड़ माँ के नाम' मुहिम के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में औषधीय पौधारोपण किया गया।
- तिरंगा रैली के अन्तर्गत NSS इकाई द्वारा आनन्द घाट तक रैली निकाली गई तथा रैहन गाँव को गोद लिया गया।
- NSS इकाई के स्वयं सेवियों ने द्वारा समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झण्डूत्ता तक स्वच्छता के ऊपर रैली निकाली गई तथा अपशिष्ट प्लास्टिक को एकत्रित किया, साथ ही स्वच्छता के ऊपर शपथ भी ली।
- दीपावली के अवसर पर 'ये दिवली मेरे भारत वाली' इस शीर्षक के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर तथा गोद लिए गाँव रैहन तथा शिव मन्दिर में स्वच्छता अभियान चलाया गया और पुलिस विभाग की तरफ से ट्रैफिक नियमों के जानने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।
- NSS इकाई द्वारा 23 दिसम्बर 2024 से 29 दिसम्बर 2024 तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया। विशेष शिविर के दौरान स्वयं सेवियों ने महाविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान किया साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

महाविद्यालय में इस सत्र में नवीन पहल करते हुए पर्यावरण सुरक्षा एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन करवाया गया जिनमें (Best out of waste) बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, इको–ब्रिक्स (eco-bricks), बायो–एंजाइम (Bio-enzymes) जैसी कार्यशालाएं करवाई गयी जिनमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता निभाई। इसके अन्तर्गत प्रो. रंजू ने 06 नवम्बर 2024 को 'बेस्ट आउट वेस्ट' प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जिसमें विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोग में लाने के लिए नए मॉडल्स तैयार किये और पर्यावरण सुरक्षा का सन्देश दिया।

छात्रवृत्तियाँ :-

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रों की योग्यता को बढ़ाने के लिए ऑनलाइन छात्रवृति प्रदान की जा रही है जिसमें वर्ष 2024–25 में महाविद्यालय के 70 छात्रों ने आवेदन किया है।

वर्ग	फ्रेश	रिन्यूवल
कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना	03	09
अनुसूचित जाति (SC)	19	06
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC/EBC/DNT)	05	01
अनुसूचित जनजाति (ST)	00	00
महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय छात्रों के लिए केन्द्रीय छात्रवृत्ति (Central sector Scheme of Scholarships for college and university students)	06	15
Mukhyamantri Vidyarthi Kalyan Yojana	05	01
	38	32
Total	70	

अध्यापक-अभिभावक संघ (PTA)

किसी भी शिक्षण संस्थान को सुचारू रूप से चलाने के लिए अभिभावकों एवं शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इस सन्दर्भ में 29 सितम्बर 2024 को कार्यकारी प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में महाविद्यालय में अध्यापक–अभिभावक कार्यकारिणी का गठन हुआ । इस कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारियों का चयन किया गया–

- श्री सुनील कुमार – प्रधान
- श्री प्यार सिंह – उप–प्रधान
- प्रो. सुरेश कुमार शर्मा – सचिव
- श्रीमती नीलम–सह सचिव
- श्री राकेश कुमार–कोषाध्यक्ष
- श्री दलजीत सिंह कटवाल–मुख्य सलाहकार के रूप में चुना गया।

पूर्व छात्र संघ (OSA)

दिनांक 19/12/2024 को राजकीय महाविद्याल झंडूत्ता में पूर्व छात्र संघ (OSA) की कार्यकारिणी का गठन किया गया। यह संगठन महाविद्यालय और उसके पुराने छात्रों के बीच एक मजबूत बंधन बनाने का कार्य करता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार की अध्यक्षता में इस कार्यकारिणी के गठन के लिए महाविद्यालय के प्राचीन छात्र उपस्थित थे। इस नई कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारी का चयन किया गया–

- श्रीमती ज्योति ठाकुर – प्रधान
- श्रीमती ऊषा महाजन – उप–प्रधान
- प्रो. सुरेश शर्मा – महासचिव
- श्री गुरप्रीत सिंह को–सचिव
- श्री शुभम चड्ढा – कोषाध्यक्ष
- सुश्री संतोष – मुख्य सलाहकार के रूप में चुना गया।

वार्षिक पत्रिका (रुक्मणी धारा)

मुख्य सम्पादक :- प्रो. बिहारी लाल

विद्यार्थियों की संरचनात्मक व लेखन सम्बन्धी प्रतिभाओं को निखारने हेतु महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष "रुक्मणी धारा" नामक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। सत्र 2024–25 की महाविद्यालय पत्रिका का प्रकाशन कार्य प्रगति पर है। इस पत्रिका में लेख हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, पहाड़ी एवं योजना अनुभागों में संग्रहीत किये जाते हैं।

ई-मैगज़ीन (झण्डूत्ता कार्निकल)

इसी वर्ष महाविद्यालय में 'ई-मैगज़ीन' (झण्डूता कार्निकल) की शुरूआत की गई, जिसका विमोचन आज मुख्यतिथि महोदय द्वारा वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में किया जाएगा।

विकास के लिए अपेक्षाएं

मान्यवर विकास एक सतत प्रक्रिया है तथा इस महाविद्यालय को समग्र विकसित संस्थान का रूप देने के लिए अभी तक बहुत कुछ करवाना शेष है। जिसके लिए आपका अनवरत सकारात्मक सहयोग अपेक्षित है। मैं कुछ मुख्य समस्याओं की तरफ आपका ध्यान आकर्षिक करना चाहता हूँ:–

- 1. विज्ञान भवन का शिलान्यास 8 मार्च, 2019 को हुआ, विज्ञान भवन के लिए अतिरिक्त 7 बीघा भूमि का अधिग्रहण किया गया। अब महाविद्यालय के पास कुल 22.6 बीघा भूमि है। विज्ञान भवन के लिए 10 करोड़ 9 लाख की राशि स्वीकृत है और हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में शीघ्र ही विज्ञान संकाय का निर्माण पुनः शुरू होगा।

- खेलों के महत्व के दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के लिए बास्केटबॉल, वॉलीबाल कोर्ट का निर्माण एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था के लिए प्रयास किए जाना चाहिए।
- महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षक एवं वनस्पति विज्ञान प्राध्यापकों के अपेक्षित पद सृजित करवाकर प्राध्यापकों की यथाशीघ्र व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे क्षेत्र के विद्यार्थी विशेषतः छात्राएं लाभान्वित हो सके।
- इस सत्र में विद्यार्थियों को बेहतर व्यावसायिक शिक्षा उपलब्ध करवाने हेतु महाविद्यालय में वोकेशनल कोर्स जैसे BBA, BCA विषय को चलाने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- कार्यालय कार्य को कागज़ विहीन (Paperless) बनाने तथा ऑनलाइन प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने का प्रयास करना भी हमारा लक्ष्य है।

हम मुख्यातिथि महोदय के आभारी है जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम में से कुछ समय निकाल कर हमें अनुगृहीत किया। मैं उन सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूँ, जिन्हें आज पुरस्कार प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। पुरस्कार सम्मान का द्योतक होता है तथा जीवन में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करता है। जो विद्यार्थी किसी कारण से इस अवसर से चूक गए हैं, वे भविष्य में कड़ी मेहनत प्रतिस्पर्धा में आ सकते हैं। इस वर्ष स्नातक स्तर तक का अध्ययन पूर्ण करने वाले समस्त विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देता हूँ तथा उनके उज्ज्वल एवं मंगलमय भविष्य की शुभेच्छा करता हूँ। मैं इस क्षेत्र की प्रबुद्ध जनता, विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों, सिंचाई एवं जनस्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, जन प्रतिनिधि, अध्यापक–अभिभावक संघ के प्रधान एवं समस्त कार्यकारिणी एवं पूर्व छात्र संघ का उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ। अच्छे परीक्षा परिणाम, खेल क्षेत्र में सुविधाओं का प्रयास महाविद्यालय में सतत् अनुशासन एवं शैक्षणिक गरिमा बनाए रखने का श्रेय मेरे सहयोगी कर्मठ प्राध्यापकों, कुशल कार्यालय कर्मचारियों एवं अनुशासित–छात्र समुदाय को जाता है, जिसके लिए वे भी धन्यवाद के पात्र हैं। मैं अन्त में एक बार पुनः मुख्यातिथि महोदय एवं गणमान्य अतिथियों का हमारे बीच उपस्थित होने पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

जय हिन्द, जय हिमाचल !

डॉ. संजय कुमार
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय झंडूत्ता
जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश